BCC BULLETIN
THE BIHAR CHAMBER OF COMMERCE
Vol. XXXXIII 29th February 2012 No. 3

सियरा-लियोन की कहानी, उप-मुख्यमंत्री की जुबानी

"बिहार मॉडल पर विकास चाहता है सियरा-लियोन"

कार्यक्रम को संबोधित करते माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी। उनकी दाँयी ओर क्रमशः चैम्बर अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह, महामंत्री, श्री संजय कुमार खेमका एवं उपाध्यक्ष श्री जी० के० खेतड़ीवाल। बाँयी ओर वाणिज्य कर आयुक्त श्री राजित पुनहानी।

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के प्रांगण में दिनांक 15 फरवरी 2012 को माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने पश्चिम अफ्रिका के महत्वपूर्ण देश सियरा-लियोन की यात्रा की विस्तृत जानकारी चैम्बर सदस्यों को दी। उक्त अवसर पर वाणिज्य-कर आयुक्त श्री राजित पुनहानी भी उपस्थित थे।

चैम्बर अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह ने अपने स्वागत संबोधन में कहा कि इसी माह के प्रारंभ में पश्चिमी अफ्रिका के सियरा-लियोन गणराज्य जो कि पश्चिमी अफ्रिका का एक महत्वपूर्ण देश है, जिसके उत्तर में अफ्रिकी देश गिन्नी तथा दक्षिण में लिबेरिया स्थित है, वहाँ की सरकार के आमंत्रण पर माननीय उप मुख्यमंत्री जी गये थे। अटलांटिक महासागर के समीप स्थित इस देश की राजधानी फ्रीटाउन है जो कि एक सुंदर, विकसित एवं रमणीय नगर है। सियरा-लियोन में अप्रवासी भारतीय परिवारों की संख्या लगभग 700 है जिसमें बिहार मूल के भारतीय भी हैं। सियरा-लियोन के नागरिकों की बिहार के Turn around की कहानी जानने की प्रबल इच्छा थी। सियरा-लियोन और बिहार के बीच काफी समानता है।

माननीय उप मुख्यमंत्री जी सियरा-लियोन की राजधानी फ्री-टाउन में आयोजित त्रिदिवसीय सम्मेलन जिसका शीर्षक " Seirra-Leon Conference on Development & Transformation" था, में भाग लेने गये थे। इस सम्मेलन का उद्घाटन सियरा-लियोन के महामहिम राष्ट्रपति ने किया था। माननीय उप मुख्यमंत्री ने सम्मेलन के अंतिम दिन अपने संबोधन में बिहार के Trun around और विकास की जानकारी दी। उन्होंने राज्य के नागरिकों में बिहारी अस्मिता का भाव जागृत होने का भी उल्लेख किया। साथ ही राज्य सरकार द्वारा राज्य में सुशासन के लिए उठाए गये कदमों से अवगत कराया। इससे सियरा-लियोन के राजनेता और वहाँ उपस्थित प्रतिनिधि बिहार के विकास - गाथा से काफी प्रभावित हुए और बिहार के विकास-मॉडल को अपने राष्ट्र के विकास के रोड-मैप में शामिल करने के उत्सुक हैं।

माननीय उप मुख्यमंत्री ने सियरा-लियोन की यात्रा संस्मरण में बताया कि मैंने पूर्व में इस देश का नाम नहीं सुना था। दिल्ली से लंदन जाने में 8.30 घंटे और लंदन से सियरा-लियोन पहुँचने में 6.30 घंटे लगे। यह दुनियाँ के 182 देशों में विकास के मामले में 180वें पायदान पर है। वहाँ पहुँचने पर लगा कि किसी सुदूर गाँव में आ गया। वहाँ गरीबी बहुत ज्यादा है। इस देश की अर्थव्यवस्था काफी कमजोर है। सप्ताह में 11-12 हवाई जहाज वहाँ उतरते हैं। हवाई अड्डा से 20 किलोमिटर दूर जाना पड़ता है। इसके बाद जहाज में 1.5 घंटा सफर के बाद राजधानी फ्री-टाउन पहुँचा जाता है। इस गरीब मुल्क को प्रकृति ने पेट्रोलियम, हीरा एवं लौह अयस्क की खानें दी हैं। अमेरिका एवं U.K के उतारे हुए कपड़े, जूते वहाँ बाजार में बिकते हैं। वहाँ गाड़ियाँ भी सेकेंड हैंड हैं। मलेरिया एवं टी.बी. से मरनेवालों की संख्या काफी है। HIV Positive से लोग ग्रस्त हैं। मलेरिया से मरनेवालों की संख्या 37.5 प्रतिशत है। बिहार में शिशु मृत्यु दर 1000 पर 48

है। सियरा-लियोन में यह 1000 में 160 है। बच्चे पैदा होने के दौरान माताओं की मृत्यु दर भी काफी है। स्वास्थ्य सेवाओं का घोर अभाव है। वहाँ पर 200 बेड का एक अस्पताल है। इंदौर का परिवार वहाँ बसा है जो उस अस्पताल को चला रहा है। सायकिल वहाँ नहीं है। TVS मोटर साइकिल के अतिरिक्त Ashok Leyland की गाड़ियाँ वहाँ नजर आयीं। सड़कों की स्थिति काफी जर्जर है।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सबसे चिंता की बात यह है कि भारत का दूतावास वहाँ नहीं है। घाना से फ्री-टाउन मंत्रालय परिचालित हो रहा है। चीन ने वहाँ लौह आयस्क की खानें ले ली हैं। निर्माण कार्य भी चीन कर रहा है। भारत का प्रभाव वहाँ काफी कम है। चीन का प्रभाव वहाँ काफी बढ़ा हुआ है। पूरे विश्व की नजर सियरा-लियोन पर है। भारत को भी वहाँ व्यवसाय करना चाहिए था। अफ्रिकी लोगों को जो लंदन, यू.के. में Slaves (गुलाम) थे उन्हें 150 वर्ष पहले वहाँ बसाया गया। 1961 में सियरा-लियोन आजाद हुआ। काफी दिनों तक Civil War के चलते 50 हजार लोग मारे गये। Diamond Mines को लेकर Civil War छिड़ा हुआ है। प्राकृतिक संसाधनों के प्रबंधन की क्षमता वहाँ नहीं है, कैसे विकास हो, इसकी अज्ञानता है। संभवत: 25-30 वर्षों के अन्दर अन्य देश व्यवसाय के माध्यम सियरा लियोन पर से कब्जा कर लेंगे।

उन्होंने आगे कहा कि 5 कबीलों में पूरा मुल्क बंटा हुआ है। बारी-बारी से वे शासन करते हैं। भारतीय सिनेमा वहाँ खूब पसंद है, सिनेमा हॉल वहाँ नहीं है, झोपड़ियों में सिनेमाघर चलते हैं। 60 लाख की आबादी वाले इस देश में 65% मुस्लिम और 25% ईसाई हैं। ईद और क्रिसमस दोनों मिलकर मनाते हैं, कोई विवाद नहीं; सामाजिक सौहार्द बना हुआ है। शिक्षा की काफी कमी है। बेरोजगारी 10 में 3 है। वहाँ चावल खाते हैं। 80% खाद्यान आयात करना पड़ता है। वहाँ की जमीन काफी उपजाउ है, पर बड़ी समस्या कैपीसिटी बिल्डिंग है। भारत को चाहिए कि वहाँ कृषि के क्षेत्र में काम करे, वैसे एक भारतीय कम्पनी ने यह काम शुरू किया है। वहाँ वर्षा साल में 5 महीने काफी होती है। वर्षा के जल को एकत्रित कर के, स्वच्छ करके, लोग पीते हैं। शराब का वहाँ काफी प्रचलन है। एक तिहाई पानी मलेशिया से आता है।

उन्होंने कहा कि गरीब अफ्रिकी देशों ने बिहार को अपना रोल मॉडल बनाकर विकास करने का रास्ता अख्तियार करना चाहते हैं। इसी वजह से उन्हें वहाँ आमंत्रित किया गया था। बिहार में लागू सायकिल योजना, पंचायत में महिलाओं को 50 फीसदी आरक्षण देने के बिहार के फैसले को काफी सराहा गया। साथ ही भ्रष्टाचार से निपटने के तरीकों पर जोरदार तालियों से उनका स्वागत किया गया। श्री मोदी ने वहाँ के लोगों को सीख दी कि उनकी इच्छा शक्ति दृढ़ होगी और ईमानदार नेतृत्व होगा तो उनका देश जल्द ही काफी विकास करेगा। बिहार बदल सकता है तो सियरा-लियोन क्यों नहीं बदल सकता है।

इस अवसर पर चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री युगेश्वर पाण्डेय, श्री पी० के० अग्रवाल, श्री डी० पी० लोहिया एवं श्री मोती लाल खेतान, चैम्बर उपाध्यक्ष श्री जी० के० खेतड़ीवाल एवं श्री नन्हें कुमार, कोषाध्यक्ष श्री सुबोध कुमार जैन, महामंत्री श्री संजय कुमार खेमका के अतिरिक्त चैम्बर के सदस्य, पत्रकार बन्धु काफी संख्या में उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन महामंत्री श्री संजय कुमार खेमका ने किया।

वाणिज्य-कर विभाग के नये कार्यालय "कौटिल्य भवन" का उद्घाटन

कौटिल्य भवन उद्घाटन करते माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी। उनकी दाँयी ओर वाणिज्य कर अयुक्त श्री राजित पुनहानी एवं चैम्बर अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह। बाँयी ओर चैम्बर के पूर्व अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल।

15 फरवरी 2012 को माननीय उप मुख्यमंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने जे० सी० रोड स्थित वाणिज्य-कर विभाग के नव-निर्मित कौटिल्य भवन का उद्घाटन किया। माननीय उप मुख्यमंत्री के अपने उद्बोधन में कहा कि इस भवन के निर्माण में 1.75 करोड़ और साज-सज्जा पर 2.19 करोड़ खर्च किये गये। इस चार मंजिले भवन में अब विशेष अंचल, गाँधी मैदान अंचल, पटना दक्षिणी अंचल, कदमकुआँ अंचल, संयुक्त आयुक्त प्रशासन तथा अपील के कार्यालय कार्यरत होंगे। इस तरह व्यापारियों को अब एक ही जगह पर कई कार्यालयों की सुविधा मिलेगी। वाणिज्य-कर विभाग का नया भवन गार्डिनर रोड पर बनेगा जो अत्याधुनिक सेवाओं से लैस होगा।

उन्होंने कहा कि बिहार में वर्ष 2012-13 के दौरान 8900 करोड़ रुपये वाणिज्य-कर वसूलने का लक्ष्य रखा गया है। पिछले चार वर्षों से करीब 22 फीसदी की बढ़ोत्तरी हुई है। परन्तु करों की दर में बढ़ोत्तरी होने से इस बार 30 प्रतिशत इजाफा की संभावना है। उन्होंने कहा कि वाणिज्य-कर के मामले में बिहार अभी भी देश के अन्य राज्यों से पीछे है। अगले वर्ष से राज्य के सभी व्यापारियों को पैन आधारित निबंधन कराना अनिवार्य होगा। नहीं जमा करनेवालों को किसी तरह की सुविधाए नहीं मिलेगी। पहली अप्रील से ई-रिटर्न के जरिये ही सभी डीलरों का रिटर्न स्वीकृत किया जाएगा। व्यापारियों को ई-मेल से नोटिस या सूचना भेजने की व्यवस्था शुरू की जा रही है। उन्होंने कहा कि अगले महीने से गोपालगंज, पूर्णियाँ ओर मोहनिया में भी चेक पोस्ट शुरू हो जायेंगे। श्री मोदी ने कहा कि इस भवन का नाम अर्थशास्त्री कौटिल्य के नाम पर रखा गया है। कर संग्रहण अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके विचार से प्रेरणा लेनी चाहिए। कौटिल्य कहते थे कि कर संग्रह करनेवाले ऐसे होने चाहिए जैसे मधुमक्खी और भौंरा। मधुमक्खी और भौंरा फूलों का रस निकाल लेते हैं परन्तु फूलों की सुन्दरता एवं जीवन ज्यों की त्यों बनी रहती है।

उक्त अवसर पर वाणिज्य-कर आयुक्त श्री राजित पुनहानी ने कहा कि इस भवन में सीआरयू खोला गया है। इससे सभी सर्किल का कम्प्युटरीकृत निबंधन हो पायगा। व्यापारी ऑन लाइन आवेदन करें। उन्हें कूरियर या ई-मेल से सर्टिफिकेट भेज दिया जाएगा।

इस कार्यक्रम में चैम्बर अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह, पूर्व अध्यक्ष श्री पी० के० अग्रवाल, अधिवक्ता श्री देशबन्धु गुप्ता, अपर आयुक्त श्री प्रहलाद बैठा, संयुक्त आयुक्त श्री दिगम्बर प्रसाद तिवारी ने भी अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर महामंत्री श्री संजय कुमार खेमका भी उपस्थित थे।

सीएम से मिले मैक्स हॉस्पीटल ग्रुप के चेयरमैन

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज मुख्यमंत्री आवास 1, अणे मार्ग में मैक्स हॉस्पीटल ग्रुप के चेयरमैन अनलजीत सिंह से मुलाकात की।

मुलाकात के दौरान अनलजीत सिंह ने बिहार में मैक्स हॉस्पीटल ग्रुप की शाखा खोलने के सबंध में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने नियमानुकूल सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष ओपी साह भी उपस्थित थे।

(साभार : राष्ट्रीय सहारा, 19.12.12)

बिहार बजट 2012-13

बिहार विधानसभा में 24-2-2012 (शुक्रवार) को उप मुख्यमंत्री सह वित्त मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने साल 2012-13 के लिए करीब 36 करोड़ रुपए के फायदे का बजट पेश किया। उन्होंने करीब 78 हजार 686 करोड़ रुपए का बजट पेश किया। बजट में सरकार को करीब 77 हजार 384 करोड़ रुपए की आय होने का अनुमान लगाया गया है। करीब एक हजार 302 रुपए का घाटा होगा। लोकलेखा से आय और व्यय के बाद करीब 88 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे और पहले से करीब एक हजार 250 रुपए बचे हुए हैं। इस तरह कुल करीब 36 करोड़ रुपए का फायदा होगा। घाटा रोक, आय बढ़ाकर आर्थिक स्थिति सुधारने और विकास के लिए सरकार ने कई नए कर लगाने का प्रस्ताव किया है। बजट में शिक्षा, पथ निर्माण, जल संसाधन पर सबसे अधिक व्यय करने का प्रस्ताव है। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अति पिछड़े और पिछड़े वर्ग, अल्पसंख्यक समुदाय और गरीब लोगों के फायदे की बात बजट में कही गई है।

सदन में पेश बजट के मुताबिक करीब कुल व्यय 78 हजार 686 करोड़ रुपए है। कुल योजना व्यय करीब 33 हजार 363 करोड़ रुपए, राज्य योजना के तहत व्यय करीब 28 हजार 255 करोड़ रुपए, केंद्रीय योजनागत योजना के तहत करीब 108 करोड़ रुपए है। कुल गैर योजना व्यय करीब 45 हजार 322 करोड़ रुपए है। कुल करीब 77 हजार 384 करोड़ रुपए के आय का अनुमान है। राजस्व से आय करीब 68 हजार 47 करोड़ रुपए, राज्य के कर राजस्व करीब 15 हजार 695 करोड़ रुपए, राज्य के गैर कर राजस्व करीब तीन हजार 142 करोड़ रुपए, केंद्र सरकार से प्राप्त करों में हिस्सा करीब 33 हजार 126 करोड़ रुपए, केंद्र सरकार से प्राप्त सहायता का अनुमान करीब 16 हजार 83 करोड़ रुपए है। पूंजीगत प्राप्तियां करीब नौ हजार 336 करोड़ रुपए, उधार करीब नौ हजार 321 करोड़ रुपए, कर्ज की वापसी करीब 15 हजार करोड़ रुपए है। कुल व्यय करीब 78 हजार 686 करोड़ रुपए, राज्य व्यय करीब 60 हाजर 959 करोड़ और पूंजीगत व्यय करीब 17 हजार 727 करोड़ रुपए है। राजस्व बजट करीब सात हजार 88 करोड़ रुपए का है।

राजकोषीय घाटा करीब सात हजार 569 करोड़ रुपये का है। राज्य के कर राजस्व के विभिन्न स्रोत के तहत मूल्यवर्धित कर से करीब सात हजार 342 करोड़ रुपए, उत्पाद शुल्क से दो हजार करोड़ 764 करोड़ रुपए, माल और यात्री कर से करीब दो हजार आठ सौ करोड़ रुपए, स्टांप और निबंधन शुल्क से करीब एक हजार 856 करोड़ रुपए, परिवहन कर से करीब 644 करोड़ रुपए और अन्य कर करीब 287 करोड़ रुपए की आय होने का अनुमान है।

राज्य के मुख्य गैर कर राजस्व के विभिन्न स्रोत के तहत झारंखण्ड से 14 नवंम्बर 2000 के पहले सेवानिवृत्त कर्मियों के पेंशन मद में भुगतान की गई राशि में हिस्सा करीब दो हजार करोड़ रुपए, खनन से करीब 470 करोड़ रुपए, सिंचाई से करीब 30 करोड़ रुपए, ब्याज से करीब 263 करोड़ रुपए और अन्य मदों से करीब 378 करोड़ रुपए प्राप्त होंगे। प्रतिबद्ध व्यय के तहत वेतन गैर योजना मद में करीब 14 हजार 100 करोड़ रुपए, योजना मद में करीब 808 करोड़ रुपए, पेंशन पर करीब 10 हजार 43 करोड़ रुपए ब्याज भुगतान पर करीब तीन हजार 54 करोड़ रुपए व्यय होने का अनुमान लगाया गया है। इस तरह कुल करीब 33 हजार 192 करोड़ रुपए व्यय होंगे।

श्री मोदी ने अपने बजट भाषण के शुरू में ही कहा कि विश्व भर में आर्थिक संकट हैं उससे कई विकसित देश उबर नहीं पाए हैं। इसका असर भारत पर भी पड़ा है। राज्य भी प्रभावित हुए हैं। इसके बावजूद बिहार ने विकास दर को बनाए रखा है। विभिन्न क्षेत्रों में विकास हुआ है।

पत्रकारों से वित्तमंत्री ने कहा कि शिक्षा पर सबसे ज्यादा खर्च करीब तीन हजार 670 करोड़ रुपए, पथ निर्माण पर करीब तीन हजार 613 करोड़ रुपए, जल संसाधन पर करीब दो हजार 192 करोड़ रुपए, समाज कल्याण पर करीब दो हजार 118 करोड़ रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है।

श्री मोदी ने आवसीय और व्यावसायिक परिसरों के बिल्डरों की ओर से परिसरों को बेचने की राशि पर एक फीसद का कर लागया गया है। ईंट भट्टों पर हर स्तर पर सालना कर में 15 फीसदी की बढ़ोतरी करने का प्रस्ताव है। तंबाकू और उसके उत्पादों पर कर को 13.5 फीसदी से बढ़ा कर 20 फीसद करने का प्रस्ताव है। झाड़ू, काजल, मेंहदी, मखाना, सेवई, सिंघाड़ा (सूखा), सिंघाड़े का आटा और रामादाने को कर मुक्त कर दिया गया है। पेशाकर समाप्त कर दिया गया है। वैट निबंधन के लिए निर्धारित कोर्ट स्टांप पर सौ रुपए फीस राशि को समाप्त कर दिया जाएगा। न्यूज प्रिंट को प्रवेश कर मुक्त कर दिया जाएगा। टाइनी व माइक्रो श्रेणी की औद्योगिक इकाइयों की ओर से अंतरराज्यीय बिक्री के क्रम में लगने वाले केंद्रीय बिक्री कर की दर को दो फीसद से घटा कर एक फीसद कर दिया जाएगा। लाभ नहीं कमाने वाले और सेवा भाव से काम करने वाले धर्मशाला, विवाह भवन और सामुदायिक भवनों को विलासिता कर से मुक्त कर दिया गया है।

(साभार : जनसत्ता, 25.02.2012)

बिहार बजट राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए समर्पित-चैम्बर

बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने वित्तीय वर्ष 2012-2013 के बिहार बजट का पुरजोर स्वागत किया है ।

चैम्बर अध्यक्ष श्री ओ० पी० साह ने कहा कि बिहार बजट राज्य के समेकित विकास के लिए समर्पित है एवं इससे बिहार की आर्थिक गति को और मजबूती मिलेगी तथा राज्य के औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा।

चैम्बर अध्यक्ष ने माननीय मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार एवं उप मुख्यमंत्री-सह-वित्त मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी को ऐसे प्रगतिशील एवं विकासोन्मुखी बजट प्रस्तुत करने के लिए हार्दिक बधाई एवं साधुवाद देते हुए कहा कि यह बजट आर्थिक एवं सामाजिक स्थिरता को और अधिक विकसित करने में सहायक सिद्ध होगा। बजट में प्रत्येक आवश्यक प्रक्षेत्र का पूरा ध्यान रखने के साथ-साथ कृषि जो कि राज्य का प्रमुख प्रक्षेत्र है, के समुचित विकास पर विशेष बल दिया गया है । बजट में प्रान्त में आधारभूत अवसंरचनाओं के समुचित विकास पर भी विशेष ध्यान दिया गया है, जो कि राज्य के समग्र विकास के लिए अत्यन्त अहम है।

उन्होंने कहा कि इस साल के बजट का आकार 28,000 करोड़ का है जबकि गत साल इसका आकार 24,000 करोड़ का था । इससे यह सिद्ध होता है कि सरकार बिहार के विकास चक्र को और आगे बढ़ाने के लिए सतत रूप से प्रयत्नशील है।

उन्होंने कृषि क्षेत्र को प्रथमिकता देते हुए कृषि रोड मैप के प्रथम चरण के लिए 9508 करोड़ रुपये के आवंटन के बजटीय प्रस्ताव पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह बिहार में कृषि क्षेत्र को अपेक्षित उँचाई तक ले जाने में सहायक सिद्ध होगा।

उन्होंने 200 मीट्रिक टन से अधिक क्षमता वाले गोदामों की स्थापना में राज्य सरकार द्वारा परियोजना लागत का 50% अनुदान देने के बजटीय घोषणा का स्वागत किया।

उन्होंने बिहार राज्य विद्युत बोर्ड को 2160 करोड़ के वार्षिक अनुदान दिये जाने के बजटीय प्रस्ताव का हार्दिक स्वागत करते हुए आशा व्यक्त की कि अब विद्युत बोर्ड अपनी अवसंरचनाओं एवं वेतन आदि के व्यय के साथ-साथ अपनी अक्षमताओं का बोझ निरीह उपभोक्ताओं पर डालना बन्द करेगा। जिससे आम उपभोक्ताओं के साथ-साथ उद्योग एवं व्यवसाय को राहत मिलेगी।

उन्होंने प्रवेश कर की दर को वैट की दर से उँचा नहीं रखने की बजटीय घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि अच्छा होता कि प्रवेश कर को पूरी तरह समाप्त कर दिया जाता, जो कि उद्योग एवं व्यवसाय के लिए अत्यन्त उपयोगी होता।

उन्होंने बियाडा के संबंध में तैयार किये जानेवाले Exit Policy के बजटीय प्रस्ताव की भूरी-भूरी प्रशंसा की साथ ही ट्रांसफर पॉलिसी के प्रक्रिया के सरलीकरण के प्रस्ताव का स्वागत किया तथा बियाडा के लीज डीड रजिस्ट्रेशन में व्यापक सुधार की घोषणा का भी स्वागत किया। बियाडा की सेवाओं एवं सुविधाओं को आर.टी.एस एक्ट के अन्तर्गत लाने का हार्दिक स्वागत करते हुए उन्होंने कहा कि इस बजट के इन महत्वपूर्ण एवं उपयोगी प्रस्तावों से बिहार के उद्योगों को काफी बढ़ावा मिलेगा।

पटना में गंगा नदी के समानान्तर सड़क-गंगा पथ निर्माण की बजटीय घोषणा एवं राजधानी पटना के सैदपुर नाले के दक्षिण की ओर के रास्ते को एक पूर्णरूपेण सड़क में परिवर्तित करने की बजटीय घोषणा का स्वागत करते हुए चैम्बर अध्यक्ष ने कहा कि इनसे पटना की वर्षों पुरानी यातायात जाम की समस्या को काफी हद तक कम किया जा सकेगा।

"ग्लोबल समिट ऑन चेंजिंग बिहार"

पटना में 17 से 19 फरवरी 2012 तक चले तीन दिनों के "ग्लोबल समिट ऑन चेंजिंग बिहार" का उद्घाटन नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री श्री बाबूराम भट्टराई के कर कमलों हुआ।

माननीय मुख्यमंत्री ने समिट के दौरान कहा कि समिट के विभिन्न सत्रों के मंथन से जो निचोड़ निकलेगा, उससे भविष्य की रणनीति तय करने में हमें मार्गदर्शन मिलेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समिट का निवेश से कोई सरोकार नहीं है। 24 देशों की नामी हस्तियों ने इस समिट में भाग लिया। राजनेता, अर्थशास्त्री, समाजशास्त्री, प्राध्यापक, नौकरशाह, उद्योगपति और सामाजिक कार्यकर्त्ताओं ने अपनी अपनी राय व्यक्त की कि बिहार में विकास और बदलाव कैसे और तेज हो? अन्य राज्यों से बिहार और देश के संबंध कैसे स्थायी हों? इन सब पर मंथन हुआ।

समिट का उद्घाटन करते हुए नेपाल के माननीय प्रधानमंत्री श्री बाबूराम भट्टराई ने कहा कि बिहार का विकास अवश्यमभावी है। इतने कम समय में समाज के हरेक क्षेत्र में इतना अधिक चमत्कारिक परिवर्त्तन होना इस बात का ठोस प्रमाण है कि बिहार न सिर्फ अन्य प्रदेशों बल्कि नेपाल के लिए भी समावेशी विकास का रोल मॉडल बन सकता है। तीव्र विकास की तकनीक भी हम बिहार से सीख रहे हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक पद्धति से हर समस्या का समाधान संभव हो सकता है। बिहार और नेपाल मिलकर नदियों से हाने वाली क्षति समेत अपनी कई समस्याओं का समाधान कर सकते हैं। हमें संयुक्त उपक्रम लगाने की कोशिश करनी चाहिए। उन्होंने राज्य में बदलाव का पूरा श्रेय बिहारवासियों और श्री नीतीश कुमार के दूरदर्शी नेतृत्व को दिया। साथ ही भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम और न्याय के साथ विकास अभियान की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि बिहार के साथ न सिर्फ बिहार की सीमाएं मिलती हैं बल्कि हम अपनी अनेक जरूरतों के लिए बिहार पर निर्भर हैं। हमारा व्यापार और परिवहन व्यवस्था बिहार से जुड़ी है। हिमालय की नदियों का पानी नेपाल और बिहार की जीवन रेखा है। उन्होंने पनबिजली और पर्यटन के क्षेत्र में काम करने का बिहार को न्योता दिया।

उन्होंने कहा कि बिहार में इतना अधिक बदलाव कैसे हुआ, नेपाल यह जानने को उत्सुक है। हमारे यहाँ संविधान सभा का गठन हो रहा है। हमने मुख्य लक्ष्य सुशासन को माना है। बिहार के समान हमारे यहाँ भी कृषि, पर्यटन, पनबिजली, वानिकी और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में निवेश की पर्याप्त संभावनाएँ हैं। दरअसल मैं यह बताना चाहता हूँ कि हमें अपनी प्राथमिकताएँ तय करनी होगी। अशिक्षा, बेरोजगारी, गरीबी उन्मूलन और भ्रष्टाचार के खात्में के साथ-साथ कृषि, व्यापार और उद्योग के विकास पर फोकस करना होगा। जाति, वर्ग और लिंगभेद से उपर उठे बिना विकास की हर कोशिश नाकाम हो जायगी। अपने नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया करानी होगी। इस दिशा में बिहार ने काफी अच्छा काम किया है। हमें याद रखना होगा कि अभी कुछ नहीं किया तो परिणाम हमारी आनेवाली पीढ़ियों को भुगतना पड़ेगा।

उद्घाटन के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि जीडीपी की दर बढ़ना ही विकास नहीं है। विकास तक तब बेमानी है जबतक समाज के अंतिम आदमी का जीवन शैक्षिक, सामाजिक और आर्थिक रूप से पल्लवित नहीं हो जाय। इसलिए बिहार ने विकास का रास्ता चुना है "न्याय के साथ विकास" का रास्ता। 'मानव विकास' हमारा मिशन है। अब हमें विशेष राज्य का दर्जा मिल जाये तो बिहार स्वयम् विकसित राज्य बन जाएगा। उन्होंने कहा कि बिहार और नेपाल भले ही पड़ोसी हैं लेकिन हमारे संबंध नैसर्गिक हैं।

उन्होंने कहा कि बिहार में स्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं। इसलिए हमें केन्द्र सरकार ओर योजना आयोग से भरपूर सहयोग की उम्मीद है। उन्होंने योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री मोन्टेक सिंह अहलुवालिया से कहा "आप चाहेंगे तो हमें विशेष राज्य का दर्जा" मिल जायगा। ऐसा होने पर प्रत्यक्ष निवेश बढ़ेगा और फिर हमें विकसित होने में देर नहीं लगेगी। माननीय मुख्यमंत्री ने कहा कि मेरे दो ही सपने हैं। पहला, सड़कें इतनी अच्छी हों कि राज्य में कहीं से भी पटना पहुँचने में छह घंटे से अधिक समय नहीं लगे। यह सपना हम इसी कार्यकाल में पूरा कर लेंगे। दूसरा सपना है देश की हरेक थाली में एक बिहार व्यंजन पहुँचाना।

माननीय उपमुख्य मंत्री श्री सुशील कुमार मोदी ने कहा कि कुछ वर्षों पूर्व बिहार में बदलाव असंभव प्रतीत होता था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार जी के नेतृत्व में थोड़े समय के भीतर चमत्कारिक परिवर्त्तन आया। इसी का नतीजा है कि न सिर्फ दूसरे प्रदेशों बल्कि पूरी दुनियाँ में बिहार को लेकर चर्चा हो रही है। कुछ दिनों पहले अफ्रिकी देश सियरा-लियोन में भी यही सवाल उठा कि जब बिहार बदल सकता है तो सियरा लियोन क्यों नहीं।

योजना आयोग के उपाध्यक्ष श्री मोंटेक सिंह अहलूवालिया ने बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने के मामले से लगभग पल्ला झाड़ लिया। उन्होंने कहा कि इस पर अलग से बहस चल रही है और विमर्श भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि केन्द्र बिहार को हर सेक्टर में सहयोग दे रहा है और आगे भी सहयोग दिया जाएगा। उनके अनुसार केन्द्र और राज्य मिलकर बेहतर ढंग से विकास कर सकते हैं। उन्होंने बिहार में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना समेत कई केन्द्रीय योजनाओं की प्रशंसा की। श्री अहलूवालिया ने कहा कि आगामी पंचवर्षीय योजना में केन्द्रीय योजनाओं को नए ढंग से लागू करने पर विचार हो रहा है। हालाकि उन्होंने यह भी पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि केन्द्र किसी सूरत में अपना नियंत्रण कमजोर नहीं कर सकता। संघीय ढाँचे में संघ का नियंत्रण आवश्यक है। उन्होंने कहा कि प्राथमिक शिक्षा पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने इसके लिए वित्त आयोग से वित्तीय मदद लेने का सुझाव भी दिया। उन्होंने राज्य सरकार को उद्योगों का कलस्टर बनाने और उन्हें तमाम सुविधाएं मुहैया कराने का सुझाव दिया। साथ ही सेल्स टैक्स में छूट देने से बचने की नसीहत भी दी। उन्होंने सब्सिडी खत्म करने की भी वकालत की। उन्होंने केन्द्रीय योजनाओं की राशि सीधे राज्य को देने को भी नकार दिया। उन्होंने राज्य में विकास और योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए पीपीपी मॉडल को सराहा।

आरबीआई के गर्वनर श्री डी. सुब्बाराव ने बिहार के विकास की प्रशंसा की और कहा कि इसे अभी और लंबा सफर तय करना है। उन्होंने राज्य सरकार के कृषि रोड मैप की भी सराहना की लेकिन कृषि के साथ ही उद्योगों पर भी समान रूप से ध्यान देने की जरूरत बतायी। उन्होंने कहा कि उद्योगों में विकास की अधिक संभावनाएं हैं और यह बिहार के परिप्रेक्ष्य में भी बेहतर साबित हो सकता है। उद्योगों का विकास बिहार को नई ऊंचाई दे सकता है। श्री राव ने बिहार में सीडी रेशियो के कम होने को लेकर चिन्ता जाहिर की और कहा कि इसको लेकर उन्होंने स्थानीय अधिकारियों के साथ विमर्श किया है। उन्होंने बताया कि उपयोगी और आकर्षक प्रस्तावों पर निश्चित रूप में बैंकों द्वारा ऋण दिया जाएगा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में विकास और आधारभूत सरंचना के विकास पर खास फोकस की वकालत की। उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता थोड़ा कठिन है।

आदित्य बिड़ला समूह के चेयरमैन श्री कुमार मंगलम बिड़ला ने बिहार में बड़े पैमाने पर पूंजी निवेश की आवश्यकता जतायी है। बदलते बिहार में वैश्विक सम्मेलन के दूसरे दिन श्री बिड़ला ने कहा कि उनका समूह राज्य में 500 करोड़ रुपये की लगात से सीमेंट कारखाना लगा रहा है। अगले छह माह में इस पर काम शुरु हो जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य को तेजी से आगे बढ़ने के लिए विद्युत उत्पादन को पहली प्राथमिकता देनी होगी। हालांकि पिछले कुछ समय के भीतर बिहार को शानदार उपलब्धियाँ हासिल करते देखना रोमांच उत्पन्न करता है। मुझे पूरा विश्वास है कि इस राज्य में विकास की गति निरंतर बनी रहेगी। श्री बिड़ला ने कहा कि राज्य के विकास में बिजली सबसे बड़ी बाधा है। बिहार में प्रति व्यक्ति बिजली की खपत राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। राज्य में खपत होने वाली बिजली का 90 प्रतिशत हिस्सा केन्द्रीय प्रक्षेत्र से हासिल होता है। इसलिए बड़े बिजलीघर लगने तक सरकार को कैप्टिव पावर प्लांट को प्रोत्साहित करना चाहिए। बायोमास और गैस आधारित बिजली इकाइयों पर ध्यान केन्द्रित करना होगा। साख-जमा अनुपात की खराब हालत का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि बैंकों को विकास गतिविधियों में सहभागी बनना चाहिए। बिहार के लोगों के 99000 करोड़ रुपये बैंकों में जमा हैं। इसके बावजूद बिहार का सीडी रेशियो 32 प्रतिशत है। सरकार को इलेक्ट्रॉनिक, टेक्सटाइल, हार्डवेयर, आईटी और एग्रो प्रोसेसिंग क्षेत्र को बढ़ावा देना चाहिए। मानव संसाधन को दक्ष बनाने को लिए बड़े पैमाने पर वोकेशनल कोर्स की पढ़ाई कराने वाले संस्थान खोले जाने चाहिए। शिक्षा में निजी क्षेत्र को बढ़ावा मिलना चाहिए।

लंदन स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स के मानद प्रोफेसर लॉर्ड मेघनाद देसाई ने कहा है कि किसी भी देश या राज्य में विकास का परिणाम आम आदमी के जीवन स्तर से ही प्रतिबिम्बित होता है। इसे सिर्फ इस्पात और सीमेंट के रूप में नहीं आँका जा सकता,

बल्कि विकास को सही मायने में शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण और आम जनजीवन से मापा जा सकता है। इसलिए विकास की राह पर आगे बढ़ रहे बिहार को मानव संसाधन में सुधार और खासकर महिला सशक्तीकरण के लिए विशेष प्रयास करना होगा। वर्ष 2007 में बिहार के अपने अनुभवों को वर्ष 2012 से तुलना करते हुए लॉर्ड देसाई ने कहा कि राज्य की नई पीढ़ी में अपार क्षमता है। बिहार के युवा अपने पूर्वजों की तुलना में बेहतर परिणाम देने में सक्षम हैं। यह बिहार के विकास का शुभ संकेत है। वैसे प्रति व्यक्ति आय बढ़ना तो ठीक है लेकिन यह भी देखना होगा कि इस विकास का वंचित समाज को कितना लाभ हुआ। लॉर्ड देसाई ने कहा वर्तमान में जीवन स्तर क्या है? और दस साल बाद क्या जरूरतें होंगी? इसे ध्यान में रखकर विकास की योजनाएं बनानी होंगी। मानव संसाधन को बेहतर बनाने के लिए शिक्षा, स्वास्थय और पोषण पर ध्यान देना होगा। सोवियत रूस के रूप में मानव विकास की उपेक्षा का उदाहरण हमारे सामने मौजूद है। एक समय में सोवियत रूस ने आधारभूत संरचना के विकास में अमेरिका को पीछे छोड़ दिया था लेकिन मानव संसाधन की प्राथमिकता नहीं देने से उनका देश बिखर गया। उन्होंने कहा कि पटना समेत सभी शहरों का एक-दूसरे से बेहतरीन सड़क संपर्क होना चाहिए। बिहार सरकार ने प्रखंडस्तर तक इंटरनेट कनेक्टिविटी कर ली है। यह सुशासन का प्रतीक है लेकिन काम को अभी और आगे ले जाना है।

योजना आयोग के सदस्य व प्रख्यात अर्थशास्त्री प्रो. अभिजीत सेन ने कहा कि विधि-व्यवस्था में सुधार बिहार के विकास के लिए बेहतर संकेत हैं। लेकिन राज्य के दूरगामी विकास के लिए अगले पांच साल का लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़ने की जरूरत है। इन पांच वर्षों में मुख्यत: बिहार को विधि-व्यवस्था, भ्रष्टाचार, बिजली और योजना राशि के बेहतर ढंग से खर्च पर ध्यान देने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि जिस हिसाब से बिहार के ग्रोथ रेट में वृद्धि हो रही है उस हिसाब से गरीबी में कमी नहीं आना चिंता का विषय है। प्रो. सेन ने कहा कि विधि-व्यवस्था की बेहतर स्थिति, भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान और बिजली की उपलब्धता का बिहार को दूरगामी लाभ होगा। राज्य सरकार को अगले पांच वर्षों तक सिर्फ इन पर फोकस करना चाहिए। इससे विकास की गति भी तेज होगी और निवेश की संभावनाएं भी बढ़ेंगी। प्रो. सेन ने कहा कि यह सवाल उठ सकता है कि उन्होंने शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि पर जोर क्यों नहीं दिया। मैं यह स्पष्ट कर देना चाहता हूँ कि ये केन्द्र सरकार की प्राथमिकताएं हैं और इन क्षेत्रों के लिए वह पर्याप्त धन दे रही है। कोशिश यह होनी चाहिए कि केन्द्रीय योजनाओं के तहत मिलने वाली राशि को बेहतर ढंग से खर्च किया जाए। प्रो. सेन ने कहा कि नए शहर बनाने की बजाय मौजूदा शहरों को ही सुविधा संपन्न बनाने की जरूरत है। उन शहरों में बिजली, पानी, सड़क, स्वच्छता और अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास पर ध्यान देना चाहिए।

इंस्टीच्यूट फॉर रूरल मैनेजमेंट एंड इंस्टीच्यूट फॉर ह्यूमन डेवलपमेंट के अध्यक्ष व पूर्व केन्द्रीय मंत्री प्रो. वाई. के. अलघ ने कहा है कि कम समय में अधिक से अधिक विकास दर हासिल करना ही राज्य सरकार का लक्ष्य होना चाहिए। कोशिश यह होनी चाहिए कि अगले 30 साल की बजाय आने वाले दस वर्षों में ही इस लक्ष्य को हासिल कर लिया जाए। उन्होंने कहा कि बिहार में विकास की गति तेज है और इस लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि 'ग्लोबल समिट ऑन चेंजिंग बिहार' सिर्फ बिहार के विकास के लिहाज से ही महत्वपूर्ण नहीं है बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर इसका फायदा होगा।

प्रो० अलघ ने कहा कि हर दिन करीब 15 लाख लोग शहर आते हैं। इनमें कोई रोजगार की तलाश में आता है तो कोई अपने कृषि या दूसरे उत्पादों के लिए बाजार खोजने। इस आबादी को बुनियादी सुविधाएं और बाजार उपलब्ध कराना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बिहार में शहरीकरण की दर काफी कम है। वर्ष 2011 की रिपोर्ट के अनुसार बिहार में शहरीकरण की दर साढ़े दस प्रतिशत से कम है। प्रो. अलघ ने कहा कि राज्य सरकार सड़कें बना रही है। इसके कारण कनेक्टिविटी भी बढ़ रही है। लेकिन जो आबादी रोज शहर की ओर आ रही है उसके लिए सड़कों की सुविधा के साथ-साथ बाजार उपलब्ध कराने की आवश्यकता है। इसके अलावा छोटे शहरों में बुनियादी सुविधाएं भी विकसित करने की जरूरत है ताकि बाजार का विकास हो सके।

स्ट्रेटजिक एशिया, जकार्ता के हेड डा. एससी मिश्रा ने कहा कि पूरे विश्व में बदलाव का दौर जारी है। विकास के लिए सबसे पहले सोच में बदलाव की जरूरत है। संक्रमण काल के दौर से निकलने और बदलाव होने में समय लगता है। अभी पूरे विश्व की नजर एशिया की तरफ शिफ्ट कर रही है। पूरी दुनिया में जो बदलाव हो रहे हैं इससे दूसरों को बदलाव का अनुभव भी हो रहा है। बिहार भी परिवर्तन के दौर से गुजर रहा है। परिवर्तन के लिए विजन बहुत जरूरी है। उन्होंने इंडोनेशिया के बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि वहां के बजट का 20 फीसदी खर्च उच्च शिक्षा पर होता है। स्ट्रेटजिक प्लान बनाकर यह काम किया गया। नॉलेज हब बनाया गया। बिहार इस क्षेत्र में पहले से समृद्ध रहा है। यहां भी नॉलेज हब बनने की पूरी संभावना है। इस क्षेत्र में हर बिहारी अपना योगदान कर सकता है।

इंटरनेशल इंस्टीच्यूट ऑफ लेबर स्टडीज, जनेवा के पूर्व निदेशक और इंस्टीच्यूट फॉर ह्युमन डेवलपमेंट के विजिटिंग प्रोफेसर डा. गेरी रोजर्स ने कहा कि विकास के लिए आत्मनिर्भरता और गरीबी उन्मूलन सबसे जरूरी है। बिहार में पर्यटन क्षेत्र और भूमिहीनों को जमीन देने के क्षेत्र में काफी काम करना है। नॉलेज हब के लिए रिचर्स क्षेत्र में काफी काम करना होगा। गरीबी उन्मूलन के लिए असामनता हटाने पर सरकार को विशेष जोर देना होगा। पॉलिसी बनाने में गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) की भी भागीदारी बढ़ानी होगी। नगरीय विकास को इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में काम करना होगा। विकास को सबसे अहम शर्त बिजली व रोड हैं। पांच सालों से बिहार में परिवर्तन हो रहा है और विकास हुआ है। औद्योगिकरण के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर और क्वालिटी में सुधार की निरंतर जरूरत है।

नेशनल इंस्टीच्यूट ऑफ पब्लिक फिनांश एण्ड पॉलिसी (एनआईपीएफपी) के मानद प्रोफेसर सुदीप्तो मुंडले ने कहा कि बिहार हाई परफार्म करने वाला राज्य बन गया है। साक्षरता और मातृ-शिशु मृत्यु दर कम करने के क्षेत्र में राज्य में काफी काम हुआ है। शैक्षिक वातावरण बन गया है। 10 फीसदी से अधिक विकास दर के बावजूद प्रति व्यक्ति आय में बिहार देश की तुलना में आधे स्थान पर है। कई दशकों से विकास में पिछड़ जाने के कारण राज्य की यह स्थिति हुई है। बिजली की कमी और धीमी आईटी कनेक्टिविटी एक बड़ी चुनौती है। हालांकि सरकार इन पर काम कर रही है। मानव संसाधन राज्य की सबसे बड़ी ताकत है और यहां के युवाओं का मोरल-हाई है। उन्होंने कहा कि उच्च विकास दर प्राप्त करना, सरकार और लोग दोनों के लिए जरूरी है।

इंडिया टुडे के एडिटर श्री एमजे अकबर ने कहा कि चम्पारण सत्याग्रह के 100 साल पूरे होने वाले हैं। देश की दिशा बदलने वाले इस आंदोलन को बिहार को नहीं भूलना चाहिए। आजादी की लड़ाई में महात्मा गांधी के 1917 के इस आंदोलन के योगदान को नही भुलाया जा सकता है। श्री अकबर ने कहा कि महिला क्रांति ही देश की अगली क्रांति होगी। गरीबी के खिलाफ आंदोलन चलाते रहने की जरूरत है। पूरे देश के लिए बिहार और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार उदाहरण हैं। अब कोई बिहार को अंडरस्टीमेट नहीं करे। अब बिहार ने जो राह पकड़ी है, वह दूसरों के लिए अनुकरणीय है। हमने खुदी (सेल्फ विलीव) खो दी थी। इकबाल के शेर को याद करते हुए श्री अकबर ने कहा कि अब खुदा हमारे निजामत से पूछ रहा है, बता तेरी रजा क्या है।

राज्य के मुख्य सचिव श्री नवीन कुमार ने कहा कि बिहार अपनी चुनौतियों को लेकर गंभीर है और उसे अपनी उपलब्धियों पर गर्व है। स्कूलों में 65 फीसदी बच्चों की उपस्थिति हो रही है। सभी स्कूलों में मिड डे मिल की अत्याधुनिक तरीके से मॉनिटरिंग की जा रही है। स्कूलों के इंफ्रास्ट्रक्चर विकास पर राज्य सरकार लगातार काम कर रही है। क्वालिटी एजुकेशन के लिए हर संभव कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने माना कि सूबे में 43 फीसदी डॉक्टर, 54 फीसदी नर्स और 25 फीसदी एएनएम की कमी है। मेडिकल कॉलेजों की कमी दूर की जा रही है। सड़क सेक्टर की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा कि राज्य के स्टेट हाइवे और एमडीआर अब नेशनल हाइवे से अच्छे हो गए हैं। पर ग्रामीण सड़कों में अभी काफी निर्माण की जरूरत है। 50 हजार किमी. ग्रामीण सड़कों का निर्माण राज्य को करना है।

इंस्टीच्यूट फॉर ह्युमन डेवलपमेंट के प्रो. देव नाथन ने कहा कि महिलाओं व श्रमिकों के उन्नयन, औद्योगिकरण के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता, कृषि के व्यावसायीकरण और भूमिहीनों को जमीन, इन चार क्षेत्रों में काम करना होगा। औद्योगीकरण के लिए दिल्ली-जयपुर, मुम्बई-पूणे और चेन्नई-बंगलुरु की तरह भागलपुर-रोहतास कॉरिडोर का विकास करना होगा। पर्यटन क्षेत्र में कॉरपोरेट निवेश पर काम करना होगा। कृषि क्षेत्र में फल और सब्जी उत्पादन के विकास के लिए कार्रवाई करनी होगी। निजी निवेश कैसे बढ़ाया जाए, इसपर लगातार काम करना होगा। मजदूरी की कीमत बढ़ानी होगी। बिहार के मजदूर नोएडा और गुड़गांव में काम कर सकते हैं तो अपने यहां क्यों नही कर सकते। गरीबी उन्मूलन कैसे हो, इस पर विशेष काम करना होगा। उन्होंने कहा कि गरीबी उन्मूलन में महिलाओं का काफी रोल है। (साभार : हिन्दुस्तान, 18, 19, 20/2/2012)

पटना में विदेश नीति

विदेश नीति का मामला केंद्र सरकार के दायरे की चीज है, पर पिछले दिनों पटना में लोगों ने बिल्कुल नयी बातें देखी। बिहार व नेपाल न सिर्फ पड़ोसी हैं, बल्कि प्रकृति ने दोनों को नदियों से भी बांध रखा है। ये नदियां ऐसी हैं, जिनकी तरफ से अगर हम आंखें बंद किये रहे, तो ये दोनों भू क्षेत्रों को कंगाल बना सकती है। इसके विपरीत जल का सही प्रबंधन किया गया, तो ये खुशहाली का वायस बन सकती है। 2008 में कोसी में आयी बाढ़ को भला कौन भूल सकता है। तीस लाख से अधिक लोग बुरी तरह से प्रभावित हुए थे। एनडीए से पहले की सरकारें बाढ़ आने पर नेपाल में बांध बनाने की जरूरत पर बल देते हुए अपनी विवशता भी जाहिर करती थीं कि नेपाल से वार्ता का काम विदेश मंत्रालय का है, लिहाजा यह केंद्र संरकार के दायरे की चीज है। दशकों तक आंदोलन हुए। कई बार चुनावों में भी यह मुद्दा बनता रहा, पर चुनाव खत्म होते ही बाढ़ व इसके स्थायी समाधान के लिए नेपाल से वार्ता की बात विभिन्न दल भूल जाया करते थे। 2012 इसका अपवाद बना। चुनाव नजदीक नहीं हैं, फिर भी बाढ़ के स्थायी समाधान पर चर्चा हुई। जल संसाधन के सर्वोतम इस्तेमाल की चर्चा हुई। और वह भी नेपाल के प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई के साथ। उनके साथ उनके भारतीय समकक्ष या विदेश मंत्रालय के अधिकारी नहीं थे। उनके साथ थे बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। पिछले 17-19 फरवरी तक पटना में हुए ग्लोबल सम्मिट ने भारत-नेपाल संबंधों को नया आयाम दिया। भट्टराई ने नेपाल के जल संसाधन के इस्तेमाल व बिजली निर्माण के लिए न्योता दिया। इस तरह बेटी-रोटी का संबंध आगे बढ़ते हुए बेटी-रोटी - इलेक्ट्रिसिटी तक पहुंच गया। इसीलिए आप इसे विदेश नीति -2 भी कह सकते हैं। नेपाल को भविष्य का बहुत बड़ा बिजली उत्पादक क्षेत्र माना जा रहा है। इसके लिए नेपाल के हिस्से में अनेक बांध बनाने होंगे। फिर वहां से इस तरह नहर प्रणाली विकसित की जानी चाहिए कि कल तक बाढ़ की मार झेलनेवाले उत्तर बिहार के जिलों के खेतों में सिंचाई का काम हो सके। नीतीश कुमार की इस पहल को केंद्र बिना देर किये आगे बढ़ाये, तो बिहार ही नहीं, भारत व नेपाल दोनों में खुशहाली

(साभार : प्रभात खबर, 22.02.12)

सीएम ने एनटीपीसी अध्यक्ष से की मंत्रणा

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से सीएम आवास 1 अणे मार्ग में एनटीपीसी के अध्यक्ष सह प्रबंध निदेशक अरूप राय चौधरी ने मुलाकात की। मुलाकात के दौरान बिहार में एनटीपीसी के कहलगाँव, बाढ़ एवं कांटी परियोजनाओं के बारे में चर्चा हुई। बैठक में यह भी चर्चा हुई कि फरक्का में पानी की कमी के कारण कहलगाँव में पावर जेनेरेशन कम हो रहा है। नवीनगर में भारतीय रेल बिजली कंपनी लिमिटेड द्वारा 1000 मेगावाट बिजली उत्पदान तथा नीवनगर पावर जेनेरेटिंग कंपनी, जो बिहार राज्य विद्युत बोर्ड का ज्वाइंट वेंचर है, के 1980 मेगावाट विद्युत उत्पादन के सबंध में चर्चा हुई।

(साभार : राष्ट्रीय सहारा, 19.02.2012)

बन रहा सिटी बिजनेस प्लान

सूबे के 27 शहरों में फैलेगा कुटीर उघोगों का जाल सूबे के छोटे-बड़े शहरों में निजी निवेश को बढ़ावा देने और आर्थिक विकास के लिए सिटी बिजनेस प्लान बनाया जा रहा है। 27 शहरों का सिटी बिजनेस प्लान बनाया जाना है। इनमें पांच शहरों का प्लान बन कर तैयार है, जबकि पांच अन्य शहरों का प्लान अंतिम चरण में है। साथ ही अगले छह माह में 17 शहरों का सिटी बिजनेस प्लान बन कर तैयार हो जायेगा।

नगर व आवास विकास विभाग की संवर्धन योजना के तहत यह प्लान बनाया जा रहा है, जिसकी स्वीकृति सिटी डेवलपमेंट अधिकारी देते हैं। इस प्लान का मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर कुटीर उद्योग, छोटे-बड़े उद्योग, मानव श्रम के सही इस्तेमाल, परंपरागत संभावनाओं का उपयोग करना और इससे आमदनी को बढ़ावा देना है। इसके लिए स्थानीय स्तर पर अरबन लोकल इकोनॉमिक डेवलपमेंट टास्क फोर्स (यूएलइडीटीएफ) का गठन किया जायेगा, जिसका प्रमुख डीएम को बनाया जायेगा, इसके साथ ही नगर निकायों व स्थानीय व्यावसायिक समुदायों को भी जोड़ा जायेगा, जिससे शहर की संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे।

सिटी बिजनेस प्लान के तहत स्थानीय स्तर पर संभावनाओं की तलाश भी की जायेगी। इसमें वर्तमान शहर की स्थिति, निवेश की संभावना और उपलब्ध प्रावधान शामिल है। इसके आधार पर रिपोर्ट तैयार की जायेगी। इस रिपोर्ट को पीपीपी मोड पर तैयार किया जायेगा, जो प्लान को लागू कराने और व्यवसायी व निवेशकों को प्रोत्साहित करने में मदद करेंगे। इसके माध्यम से शहर का समुचित आर्थिक विकास किया जायेगा।

मुजफ्फरपुर, मोतिहारी, दरभंगा, सीतामढ़ी और बेतिया का सिटी बिजनेस प्लान बन कर तैयार हो गया है। वहीं, आरा, छपरा, बिहारशरीफ, सीवान और हाजीपुर का प्लान अंतिम चरण में है, जो इस माह के अंत तक बन कर तैयार हो जायेगा।

इन शहरों का प्लान छह माह में

गया, बोधगया, नवादा, डेहरी-ऑन-सोन, औरंगाबाद, भागलपुर, मुंगेर, जमालपुर, सहरसा, कटिहार, पूर्णिया, किशनगंज, पटना, दानापुर, खगौल, फुलवारीशरीफ आदि का सिटी बिजनेस प्लान छह माह में बन कर तैयार हो जायेगा।

क्या-क्या होगा

• कोर आर्थिक सेक्टर की पहचान करना • व्यवसाय स्वीकृति की प्रक्रिया • नगर निकाय की भूमि का सही उपयोग • मानव संसाधन का विकास • केंन्द्र व राज्य सरकारों की योजनाओं व स्कीमों के साथ समन्वयन • शहरी निवेश प्लान के साथ समन्वयन • शहरी उद्योग व व्यवसायी तालिका • सिटी बिजनेस प्लान को लागू करने में शामिल होनेवाली एजेंसी।

कौन-कौन है टास्क फोर्स में

महापौर, उपमहापौर, अपर समाहर्ता, नगर आयुक्त, जिला उद्योग केंन्द्र के महाप्रबंधक, जिला योजना पदाधिकारी, उप विकास आयुक्त, स्थानीय बैंक के प्रबंधक, जिला कृषि पदाधिकारी, चेंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष, जिला उद्यान पदाधिकारी

शहरों में संभावना

पटना : लेदर, फुटवियर, ब्रास • दरंभगा : मखाना, फूड प्रोडक्ट • मधुबनी : मखाना फूड प्रोडक्ट, फॉल्स पेंटिंग, मिथिला पेंटिंग • मुजफ्फरपुर : लीची, फूड प्रोसेसिंग, फूड प्रोडक्ट, लहठी • कटिहार : ग्रास व फाइबर • मधेपुरा : गन्ना, गुड़ • भागलपुर : सिल्क, हैंडलूम • गया : फूड प्रोसेसिंग, वेज सीड प्रोडक्शन • भोजपुर : कपड़े पर काम • सीतामढ़ी : फूड प्रोसेसिंग, गुड़

> ''सिटी बिजनेस प्लान से आम लोगों को ही लाभ होगा। इसमें स्थानीय स्तर पर उद्योग व व्यवसाय को बढ़ावा दिया जायेगा। ताकि लोग आर्थिक रूप में संपन्न हों।''
>
> ओ० पी० साह, अध्यक्ष, बिहार चैम्बर ऑफ कॉमर्स
>
> ''व्यवस्थित शहरीकरण के साथ-साथ सिटी बिजनेस प्लान बनाया जा रहा है। इससे स्थानीय संसाधनों का अच्छा उपयोग होने के साथ-साथ अच्छा उत्पादन किया जा सकेगा।'' के० पी० एस० केशरी, अध्यक्ष, बिहार इंडस्ट्रीज एसोसिएशन

(साभार : प्रभात खबर, 13.02.12)

व्यापारियों को जल्द मिलेगी टैक्स से राहत

पिछले कई सालों से जिन व्यापारियों पर बकाया वाणिज्य कर का बोझ बना हुआ है वह जल्द ही खत्म हो सकेगा। व्यापारियों को राहत देने के लिए राज्य सरकार वन टाइम सेटेलमेंट स्कीम लागू करने जा रही है। हालांकि वाणिज्य कर विभाग ने अब तक यह निर्धारित नहीं किया है कि कितनी राशि तक बकाया रखने वाले व्यापारियों को इस स्कीम में शामिल किया जाएगा। फिर भी उम्मीद की जा रही है कि वैसे व्यापारी जिन पर वर्ष 2005 के पूर्व से लाखों रुपये बकाया है, वे वन टाइम सेटेलमेंट स्कीम के तहत एक निश्चित राशि जमा कर मामले से बरी हो सकते हैं। इस बारे में वाणिज्य कर विभाग ने कार्रवाई शुरू कर दी है। उम्मीद की जा रही है कि अगले दो-चार महीने में इस स्कीम को लागू कर व्यापारियों की सूची जारी कर दी जाएगी।

पिछले कई वर्षों से टैक्स के करोड़ों रुपये राज्य के बड़े-बड़े व्यापारियों के पास बकाया है। इस बारे में विभाग की ओर से व्यापारियों पर न तो कोई कार्रवाई होती है और न ही निर्देश भेजा जाता है। वैट लागू होने के पूर्व कुछ बड़े बकायेदारों को नोटिस भेजी गई थी, बावजूद कई व्यापारी ऐसे हैं जिनके पास टैक्स के लाखों बकाया हैं। कई व्यापारी ऐसे हैं जिनकी फाइल ही नहीं मिल रही है। इस बारे में विभाग ने सभी अंचल पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि ऐसे व्यापारियों को चिह्नित कर उनकी फाइल खोजकर निकालें।

(साभार : हिन्दुस्तान, 20.02.2012)

रजिस्ट्रेशन पर नहीं लगेगी स्टाम्प फीस

राज्य के व्यापारियों के लिए एक अच्छी खबर है। अब वाणिज्य कर विभाग में रजिस्ट्रेशन पर स्टाम्प फीस नहीं लगेगी। हालांकि स्टाम्प फीस मात्र 100 रुपये ही लगती थी लेकिन रजिस्ट्रेशन के नाम पर व्यापारियों को एजेंट या अन्य लोगों को ज्यादा रुपये देने पड़ते थे।

उम्मीद की जा रही है कि यह व्यवस्था अगले वित्तीय वर्ष से लागू होगी। इसके अलावा राज्य सरकार यह भी विचार कर रही है कि अगर किसी व्यापारी के पास कोई लायबिलिटी नहीं है, इसके बावजूद अगर किसी को वाणिज्य कर विभाग में व्यापार शुरू करने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना है तो उसे विभाग को 10 हजार रुपए की बैंक गारंटी देनी पड़ेगी। इसके बिना वाणिज्य कर विभाग में निबंधन नहीं होगा। बताया जाता है कि यह राशि रिफंडेबल होगी। रजिस्ट्रेशन वापसी के समय यह राशि वापस कर दी जाएगी।

पिछले कुछ वर्षों से वाणिज्य कर विभाग में रजिस्ट्रेशन कराने वालों की संख्या में भारी बढ़ोत्तरी हुई है। लेकिन कुल रजिस्ट्रेशन का मात्र 30 प्रतिशत व्यापारियों से ही टैक्स मिल रहा है। बताया जाता है कि कई लोग ऐसे हैं जो व्यापार नहीं करते, पर टेंडर भरने के लिए विभाग से रजिस्ट्रेशन करा लिया है। राज्य सरकार ने ठेकेदारों को टेंडर भरने के लिए वाणिज्य कर विभाग से निबंधन की प्रक्रिया समाप्त कर दी है। इसके बावजूद व्यापार करने के लिए जो भी बैंक से लोन मांग रहा है, उससे बैंक वाणिज्य कर विभाग का रजिस्ट्रेशन नम्बर मांग रहे हैं। विभाग ऐसे लोगों से 10 हजार रुपए की बैंक गारंटी लेने की बात सोच रहा है।

पिछले पांच वर्षों में टैक्स देने वालों की संख्या

वर्ष	रजिस्टर्ड डीलर्स	टैक्स देने वालों की संख्या	% में
2004-05	43387	40121	92.47
2005-06	93115	53183	57.11
2006-07	110477	47264	42.78
2007-08	123040	43127	35.05
2008-09	142931	54726	38.28
2009-10	1,58,517	60,657	38.26
2010-11	1,71,000	1,34,000	23

(साभार : हिन्दुस्तान, 22.02.12)

87 Food Processing Units In State Soon

Around 87 food processing units with the total project cost of cover Rs. 1,609 crore are under different stages of development in the state while 11 units have reached production stage.

The future of food processing industries in Bihar is bright with around 50 projects likely to start production after March, 2012, said Infrastructure Leasing & Finance Services (IL&FS) agriculture expert Amitabh Bhattcharya.

As a member of the state government's Project Management Committee, the IL&FS was assigned the work of wooing investments in food processing sector.

These projects were approved under the state government's Scheme for Integrated Development of Food Processing sector and Scheme for Food Parks under which a food park is being established at Kahalgaon in Bhagalpur district by a special purpose vehicle (SPV) from Kolkata, Keventor Food Park Infra Pvt Ltd, at a cost of Rs. 152.48 crore.

The units having reached production stage include JhunJhunwala Oil Mills' new rice mill in Rohtas district, franchisees of Britannia and Anmol biscuits at Hajipur, Anmol Feeds (to produce animal feeds) in Muzaffarpur district, SVJ Enterprises to produce honey in Darbhanga, Mirzanagar Gramodyog Sahyog Samiti to produce honey at Mahua in Vaishali district, Ganga Dairy at Ramjanpur in Begusarai and Gayatri Soy Food Ltd in Patna City, Bhattacharya said. **(Source : The Times of India, 21.02.12)**

Work On Ethanol Policy Starts

Much to the relief of sugar factory owners of Bihar, the state government has started working on a policy on ehanol production.

"We are working out the policy details so that sugar factories do not face any problem if they intend to produce ethanol. The policy would be finalised by March-end and its benefits would be available to the sugar factories of Bihar from the next financial year, "Excise Department Minister Bijendra Yadav told The Telegraph.

The minister's assertion assumes significance because there is no such policy in place in Bihar at present. The sugar factories have to seek permission of the excise department for supplying it.

Terming the development a positive one, Bihar Sugar Mills Association (BSMA) secretary Naresh Bhatt said: "We hope the government will keep the points raised by us in mind while finalising the policy document." **(Details : The Telegraph, 21.02.2012)**

वाहनों में हाई सिक्यूरिटी नंबर 31 मार्च से शुरू होगा रजिस्ट्रेशन

बिहार में हाई सिक्यूरिटी नंबर प्लेट मार्च तक चालू हो जाएगा। सुप्रीम कोर्ट ने राज्य सरकार को निदेश दिया है कि हर हाल में 31 मार्च से हाई सिक्यूरिटी नंम्बर रजिस्ट्रेशन का काम शुरू हो जाय। 31 मार्च से नए वाहन एवं 31 मई से पुराने वाहनों का हाई सिक्यूरिटी नंम्बर रजिस्टेशन होने लगेगा।

सिक्यूरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट का शुल्क

वाहन	शुल्क
दोपहिया	131
तीन पहिया	162
लाईट मोटर वेहिकल्स	335
मध्यम तथा उच्च मोटर वाहन	310
कृषि ट्रैक्टर	140

(विस्तृत समाचार : हिन्दुस्तान, 16.02.2012)

गोदाम बनाने को अनुदान देगा केन्द्र

राज्य में अब भंडारण क्षमता को बढ़ाने के लिए केन्द्र किसानों को बैंक के माध्यम से आर्थिक सहायता प्रदान करायेगी। सहकारिता मंत्री श्री रामाधार सिंह और केन्द्रीय भंडारण निगम के चेयरमैन श्री दिनेश राय के साथ हुई बैठक में इस पर सहमति बनी है। इसके तहत गोदाम बनाने के इच्छुक पैक्सों और किसानों को केन्द्र सरकार द्वारा 25 प्रतिशत अनुदान भी मिलेगा। बैंक से 50 प्रतिशत की राशि दी जायगी तथा शेष 25 प्रतिशत राशि खुद वहन करना होगा। (विस्तृत समाचार : राष्ट्रीय सहारा, 16.02.2012)

किराये से आय पर टैक्स से छूट संभव

सरकार उन मकान मालिकों को टैक्स में राहत दे सकती है जिन्होंने अपना मकान रिहायश के लिए किराये पर दिया है। ऐसे मकान मालिकों को किराये से आमदनी पर कम टैक्स चुकाना पड़ेगा। वहीं, व्यवसायिक गतिविधियों व उद्योगों को प्रॉपर्टी किराये पर देकर भारी भरकम आमदनी कर रहे लोगों पर टैक्स का भार बढ़ सकता है।

(विस्तृत समाचार : हिन्दुस्तान, 15.02.2012)

अब अपार्टमेंट की खरीद पर लगेगा टैक्स

अगले साल से किसी आपर्टमेंट में फ्लैट खरीदना महंगा हो सकता है। देश के अन्य राज्यों की तरह बिहार में भी वाणिज्य-कर विभाग अब अपार्टमेंट और कॉमर्शियल कॉम्पलेक्स की खरीद पर टैक्स लगाने का विचार कर रही है। हलांकि राज्य सरकार ने इस बिन्दु पर निर्णय नहीं लिया है कि कितना टैक्स लगेगा। उम्मीद की जा रही है कि महाराष्ट्र की तर्ज पर बिहार में भी अपार्टमेंट टैक्स लगेगा।

टैक्स लगने के बाद क्या होगा रेट :

अपार्टमेंट का रेट	एक प्रतिशत टैक्स	कुल कीमत
25,000,00/-	25,000/-	25,25,000/-
30,000,00/-	30,000/-	30,30,000/-
35,000,00/-	35,000/-	35,35,000/-
50,000,00/-	50,000/-	50,50,000/-
75,000,00/-	75,000/-	75,75,000/-
1,00,000,00/-	1,000,000/-	1,01,00,000/-

(विस्तृत समाचार : हिन्दुस्तान, 15.02.2012)

आयकर छापे के दौरान हो मानव अधिकारों की रक्षा

आयकर अधिकारियों के छापे से परेशान व्यक्तियों के लिए थोड़ी राहत की बात है। बिहार के मानवाधिकार आयोग ने हाल ही में कहा है कि अभियान के तहत कर संग्रह के लिए घरों पर छापा मारने के दौरान आयकर अधिकारियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इससे उस व्यक्ति और उसके परिवार को कोई मानसिक पीड़ा न हो। बाद में आयोग के इस निर्णय को पटना उच्च न्यायालय ने भी जायज ठहराया। साथ ही न्यायालय ने आयकर अधिकारियों को यह निर्देश भी दिया कि वह इस सिलसिले में उचित दिशा निर्देश तैयार करने पर विचार करे जिसमें पूछताछ की अवधि और इस दौरान विराम के बारे में जानकारी दी गई हो। दूसरे शब्दों में कहें तो जिस व्यक्ति पर छापा पड़ रहा हो उसे और उसके परिवार के सदस्यों को इस अवधि के दौरान सामान्य जीवन बिताने की आजादी होनी चाहिए। (विस्तृत समाचार : बिजनेस स्टैंडर्ड, 22.02.2012)

दिख रही सरकार और समाज की दृढ़ इच्छा शक्ति

विधानमंडल के संयुक्त अधिवेशन में राज्यपाल ने गिनायीं
राज्य सरकार की उपलब्धियां, कई घोषणाएं भी की।

घोषणाएं

- मुख्यमंत्री शताब्दी बालिका पोशाक योजना के तहत प्रत्येक छात्रा को 1000 रुपये की दर से 20 लाख छात्राओं के बीच 200 करोड़ की राशि उपलब्ध करायी जाएगी।
- मुख्यमंत्री बालक-बालिका साइकिल योजना के तहत नवीं कक्षा में नामांकित छात्र-छात्राओं के बीच 347 करोड़ 45 लाख 4 हजार रुपये की राशि वितरित होगी।
- त्वरित सिंचाई लाभ कार्यक्रम के तहत 221 करोड़ की लागत से 55,745 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई क्षमता सृजित होगी।
- आपकी सरकार, आपके द्वार योजना के तहत 85 किमी पथ-पुलिया का होगा निर्माण।
- मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के तहत 67.50 करोड़ होंगे खर्च।
- बनेगी बिहार पार्क विकास एवं अनुरक्षण नीति।
- खुलेंगे कौशल उन्नयन केन्द्र।
- पीरपैंती में 1320 मेगावाट, कजरा में 1320 मेगावाट एवं चौसा में 1320 मेगावाट की ताप विद्युत योजनाएं होंगी आरंभ।
- उपेन्द्र महारथी शिल्प संस्थान का होगा पुनरूत्थान।
- बनेंगे आधुनिक अभिलेखागार।
- बालिका सशक्तिकरण के लिए चलेगा सबला योजना। मुख्यमंत्री नारी शक्ति योजना के कार्यान्वयन पर खर्च होंगे 30 करोड़।
- 165 प्रदूषण जांच केन्दों की स्थापना।

उपलब्धियाँ

- बिहार लोकायुक्त अधिनियम एवं बिहार लोक सेवा का अधिकार अधिनियम लागू
- जाति, आय एवं आवासीय प्रमाण-प्त्रों के लिए आनलाइन सुविधा
- 2006 से जनवरी 2012 तक 69,130 अपराधियों को सजा
- तीन काउंटर इंसरजेंसी एवं एंटी टेररिज्म स्कूलों की स्थापना, 1917 पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षण
- मुक्त कारागार नियमावली का गठन, सभी जिलों में एससी-एसटी थानों की स्वीकृति
- 60 अनुमंडलों में नए फायर स्टेशन, 114 नई अग्निशामक गाड़ियों की खरीद, वाटर मिस्ट टेक्नोलेजी के लिए 7 अग्निशामक गाड़ियों का क्रय।
- मुख्यमंत्री क्षेत्र विकास योजना लागू, कार्यान्वयन के लिए स्थानीय क्षेत्र अभियंत्रण संगठन का गठन
- सरकारी अस्पतालों में 4.86 करोड़ मरीजों का इलाज, नयी पीढ़ी स्वास्थ्य गारंटी कार्यक्रम शुरू, मुस्कान एक अभियान कार्यक्रम आरंभ
- वादों में कमी लाने के लिए शिकायत निवारण समिति का गठन
- टीकाकरण का प्रतिशत 11 से बढ़कर 66.6, शिशु मृत्यु दर घटकर 61 से 48, मातृ मृत्यु दर 389 से कम होकर 261
- आइजीआइएमएस में 100 सीटों के मेडिकल कालेज का शुभारंभ, एनएमसीएच में 50 सीटों का इजाफा। सभी जिलों में मोबाइल मेडिकल युनिट। नौ प्रमंडलों में 10 धनवंतरी रथ सेवा शुरू।
- राज्य शैक्षणिक गुणवत्ता मिशन 71 हजार प्रारंभिक स्कूलों में लागू। एक दशक में महिला साक्षरता दर में 20.21 प्रतिशत का इजाफा। महादलित समुदाय के 19.712 उत्थान केन्द्र।
- मुख्यमंत्री पोशाक योजना के तहत 20,62,714 छात्र-छात्राओं को पोशाक।
- कृषि रोड मैप का कार्यान्वयन, कृषि कैबिनेट का गठन।
- मुख्यमंत्री शताब्दी प्रजनन सह स्वास्थ्य कार्ड योजना लागू। 1.25 करोड़ मवेशियों का टीकाकरण। नेशनल मिशन फार प्रोटीन सप्लिमेंट के तहत बकरी विकास की योजना शुरू।
- 3,31,145 कृषकों की 385 करोड़ रुपये की फसल का बीमा। 231.06 करोड़ का ऋण वितरित। 100 मीट्रिक टन क्षमता के 740 एवं 250 व 200 मीट्रिक टन क्षमता के 40 गोदामों का निर्माण। 521 प्रखंडों में व्यापार मंडल का गठन। 9,14,793 किसान क्रेडिट कार्ड निर्गत।
- 53.53 लाख हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता के विरुद्ध 29 लाख हेक्टेयर क्षमता सृजित।
- 108 ग्रामीण पाइप जलापूर्ति योजना में से 69 पूरी। 4,41,922 बीपीएल परिवार के घरों में शौचालय का निर्माण।
- राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन शुरू, इंदिरा आवास के विशेष पैकेज के तहत 71, 878 परिवारों को घर।
- मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 472 कि.मी सड़क का निर्माण। 571 किमी स्टेट हाइवे का निर्माण पूरा।
- नई उद्योग नीति के तहत अबतक 3712.08 करोड़ रुपये का निजी निवेश। खाद्य प्रसंस्करण की 51 इकाइयां स्थापित।
- विशेष सर्वेक्षण एवं बंदोबस्त अधिनियम लागू। 14672 मानचित्रों डिजिटाइजेशन पूरा।
- महादलित विकास योजना के तहत 1,33,584 महादलित परिवारों को 3846 एकड़ बासभूमि उपलब्ध करायी गयी।
- वाणिज्य कर विभाग द्वारा 5119 करोड़ का राजस्व संग्रह।
- 6.26 लाख विकलांग व्यक्तियों को प्रमाण पत्र।
- 3059 कब्रिस्तानों की घेराबंदी।

(साभार: दैनिक जागरण, 22.02.2012)

नगर निगम एक नजर में

निगम का क्षेत्रफल वर्ग किलोमीटर	109.218	जलापूर्ति पाइप किलोमीटर	600
निगम क्षेत्र की आबादी लगभग	19 लाख	जलापूर्ति पंप	83
वार्डों की संख्या	72	मैनहोल की संख्या	20587
दैनिक कूड़ा जमाव एमटी में	800	कैचपिट की संख्या	22814
सीवरेज प्रणाली की स्थापना	1936	पक्की रोड किलोमीटर में	1421
बड़े नालों की संख्या	9	कच्ची रोड किलोमीटर में	346
सड़कों व गलियों का संख्या	925	धोबी घाट	3
पक्के नाले किलोमीटर में	460	पार्कों की संख्या	44
कच्चे नाले किलोमीटर में	340	रिक्शा पड़ाव	23
भूगर्भ नाले किलोमीटर में	1200		

(साभार : दैनिक जागरण, 21.02.2012)

EDITORIAL BOARD
K. P. Singh
Chairman
Library & Bulletin Sub-Committee

Editor
Sanjay Kumar Khemka
Secretary General

Printer & Publisher
Eqbal Siddiqui
Addl. Secretary

Khemchand Chaudhary Marg, Patna - 800 001 • Ph. 0612-3200646, 2677605, 2677635, Fax No. : 0612-2677505, E-mail : bccpatna@gmail.com

Price Rs. 0.25

Design & Printed by : Sharada Enterprises, Patna, Ph.:0612-2690803, 2667296